724 महिला प्रत्याशियों ने इस बार के लोकसभा चुनाव में भाग्य आजमाया। इनमें से 53 भाजपा, 54 कांग्रेस और 23 तृणमूल की तरफ से मैदान में उतरीं। 222 ने निर्दलीय रूप से चुनाव लड़ा।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 23 मई 2019

शाह ने कीं मोदी और राहुल से ज्यादा रैलियां

नई दिल्ली, प्रेट्र : भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के दौरान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से ज्यादा रैलियां कीं। शाह ने 161 रैलियों को संबोधित किया तो राहुल ने 145 और पीएम मोदी ने 142 रैलियां कीं।

भाजपा अध्यक्ष ने चुनावी सभा की शुरुआत 28 मार्च को उत्तर प्रदेश के मेरठ से की। पीएम ने पूरे देश में 142 रैलियों व चार रोड शो के साथ सीधे तौर पर 1.5 करोड़ लोगों को संबोधित किया। मोदी ने 17 मई को मध्य प्रदेश के खरगौन में आखिरी रैली की। देशभर में जनसभाओं को संबोधित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने 1.5 लाख किलोमीटर की हवाई यात्रा की। शाह ने 312 लोकसभा क्षेत्रों का दौरा और 161 जनसभाओं को संबोधित किया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने देशभर में 145 रैलियां, आठ प्रेसवार्ता तथा पांच रोड शो किए। राहुल ने तीन फरवरी को पटना में आयोजित संयुक्त रैली से चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की और 17 मई को हिमाचल के सोलन में इसका समापन किया।

काशी में पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होगा शास्त्रार्थ

जागरण संवाददाता, वाराणसी : वाराणसी में संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय ने जुलाई में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शास्त्रार्थ प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसकी तैयारी भी शुरू कर दी गई है। इस संबंध में नेपाल, भूटान, मॉरीशस और चीन सहित अन्य देशों से संपर्क किया जा रहा है। कई देशों के संस्कृत विद्वानों ने सहमति भी दे दी है। बहरहाल, काशी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की पहली शास्त्रार्थ प्रतियोगिता का दावा किया जा रहा है।

काशी में शास्त्रार्थ की परंपरा प्राचीन काल से है। संस्कृत विश्वविद्यालय में भी शास्त्रार्थ प्रतियोगिताएं आयोजित होती रही हैं। हाल के दशकों में विश्वविद्यालय में शास्त्रार्थ परंपरा की कड़ी टूट गई थी। कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल इस परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में जुलाई में संस्कृत के प्रकांड विद्वानों को बुलाने की तैयारी है। इसमें देश-विदेश के संस्कृत विद्वानों के जुटने की संभावना जताई जा रही हैं।

यह है शास्त्रार्थ : किसी भी गूढ़ विषयों पर दो या दो से ज्यादा विद्वान चर्चा-परिचर्चा करते हैं तो उसे शास्त्रार्थ कहा जाता है। शास्त्रार्थ का अर्थ शास्त्रों के ज्ञान से है। शास्त्रार्थ की परंपरा देश में प्राचीन काल से है, जो कि वर्तमान में धूमिल होती जा रही है। हालांकि, नागपंचमी सहित विभिन्न अवसरों पर अब भी काशी में शास्त्रार्थ की परंपरा है।

बहादुरगढ़ में नकली सिक्के बनाने वाली फैक्टरी की एक और यूनिट पकड़ी

जागरण संवाददाता, बहादुरगढ़ : पांच रुपये के नकली सिक्के बनाने वाली फैक्टरी की एक और यूनिट पकड़ी गई है। यह भी बहादुरगढ़ के गणपति धाम औद्योगिक क्षेत्र में ही चल रही थी। यहां पर लोहे की शीट से सिक्कों की कटिंग का सेटअप जमाया गया था। पकड़े गए गिरोह से पूछताछ के आधार पर फरीदाबाद सीआइए की टीम ने मंगलवार की रात को छापेमारी करके इस यूनिट का भंडाफोड़ किया। यहां से भारी मात्रा में लोहे की शीट, अर्धनिर्मित नकली सिक्के, मशीन और अन्य सामान बरामद किया है। इस बीच यह भी बात सामने आई है कि अब तक यह गिरोह 15 करोड़ के सिक्के बनाकर बाजार में खपा चुका है।

गणपति औद्योगिक क्षेत्र में एक हिस्से में बिल्कुल आखिर में बने फैक्टरी भवन को किराये पर लेकर नकली सिक्के बनाने वाली फैक्टरी की दूसरी यूनिट चालू की गई थी। हालांकि, इसको ज्यादा समय नहीं हुआ था। यह फैक्टरी भवन ओमेक्स निवासी नरेंद्र का है। इसको भी गिरोह के मास्टरमाइंड सुभाष उर्फ राहुल ने ही किराये पर लिया था।

जाखड़ ने भी धर्मेंद्र को अपने ही अंदाज में दिया जवाब

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- सुनील जाखड़ ने किया ट्वीट-दोस्ती है, शीशा नहीं जो टूटकर बिखर जाए, हमने रिश्ते निभाए हैं उसूलों की तरह और निभाते रहेंगे

गुरदासपुर से कांग्रेस के प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़ के खिलाफ चुनाव लड़ रहे सनी देयोल के पिता धर्मेंद्र को जाखड़ ने उन्हीं के अंदाज में जवाब दिया। जाखड़ ने धर्मेंद्र के ट्वीट के जवाब में काव्य अंदाज में लिखा कि 'दोस्ती है, शीशा नहीं जो टूटकर बिखर जाए, हमने रिश्ते निभाए हैं, उसूलों की तरह और निभाते रहेंगे।

काबिले गौर है कि पिछले दिनों फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र ने जाखड़ के नाम एक भावुक ट्वीट में किया था, जिसमें उन्होंने कहा कि इस सियासत ने सभी रिश्तों को तार-तार कर दिया है।

अपने ट्वीट में धमेंद्र ने कहा था

सगों से रिश्ते...
इक जमाने से...
तोड़ गई..
पलों में...
कमबख्त सियासत ये...
बरकरार है...
बरकरार रहेगी...
मोहब्बत मेरी...

मोहब्बत से...जाखड़ के नाम

याद रहे कि धर्मेंद्र की सुनील जाखड़ के परिवार से पुरानी दोस्ती है। उनके पिता बलराम जाखड़ जब सीकर से चुनाव लड़े थे तो उनके पक्ष में प्रचार करने के लिए धर्मेंद्र गए थे। यहां तक कि जब भाजपा ने धर्मेंद्र को अगले लोकसभा चुनाव में सीकर से खड़े होने के लिए कहा तो उन्होंने यह कहते हुए मना कर दिया था कि बलराम जाखड़ मेरे बड़े भाई हैं। मैं उनके सामने चुनाव नहीं लड़ सकता। इसके बाद भाजपा ने धर्मेंद्र को सीकर की बजाए बीकानेर से खड़ा कर दिया और वह चुनाव जीत गए। बुधवार को सुनील जाखड़ ने धर्मेंद्र के ट्वीट का अपने ही अंदाज में जवाब दिया।

कैप्टन ने फाइव स्टार होटल में मनाया पाक महिला मित्र अरूसा का जन्मदिन

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने बुधवार को अपनी पाकिस्तानी महिला मित्र अरूसा आलम के जन्मदिन पर चंडीगढ़ के एक पांच सितारा होटल में शानदार पार्टी दी। इस पार्टी में मुख्यमंत्री के करीबी लोग ही शामिल थे। मुख्यमंत्री की पार्टी होने के कारण होटल में सुरक्षा व्यवस्था को बेहद पुख्ता रखा गया था। आम तौर पर मुख्यमंत्री अरूसा आलम का जन्मदिन हिमाचल प्रदेश की वादियों में मनाते है, लेकिन गुरुवार को लोकसभा चुनाव परिणाम आने के कारण इस बार यह समारोह चंडीगढ़ में ही मनाया गया। यह पहला ऐसा मौका था, जब अरूसा आलम के जन्मदिन समारोह में मुख्यमंत्री ने अपने खास अफसरों को भी बुलाया था। आमतौर पर मुख्यमंत्री अपने निजी समारोह में अफसरों को आमंत्रित नहीं करते हैं।

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री तय समय पर ही होटल पहुंच गए थे। समारोह में कुछ चुनिंदा लोगों को ही बुलाया गया था, जिसका चयन भी खुद मुख्यमंत्री ने किया था। महत्वपूर्ण यह है कि इस समारोह में न तो माझा एक्सप्रेस कहे जाने वाले माझा के मंत्री थे और न ही कांग्रेस के प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़।

विमान से दागी जाने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय वायु सेना ने बुधवार को कहा कि उसने सुखोई-30 एमकेआइ लड़ाकू विमान से सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया। यह लड़ाकू विमान से चलाई जाने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है।

- किसी भी मौसम और किसी भी वक्त निशाना साधने में सक्षम
- ब्रह्मोस से बढ़ेगी भारतीय वायु सेना की ताकत

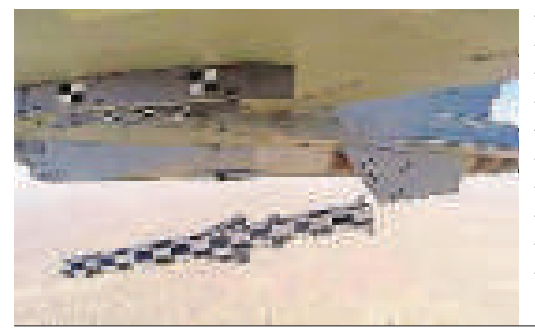

सुखोई-30 एमकेआइ लड़ाकू विमान से हवा से जमीन पर मार करने वाली सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया। एएफपी

सैन्य अधिकारियों ने बताया कि आसमान से जमीन पर मार करने वाली 2.5 टन की इस मिसाइल की रेंज लगभग 300 किलोमीटर है। इसके शामिल होने से वायुसेना की ताकत में इजाफा होगा। इस मिसाइल की रफ्तार आवाज से लगभग तीन गुना 2.8 मैक है।

वायु सेना के प्रवक्ता ग्रुप कैप्टन अनुपम बनर्जी ने कहा, 'विमान से बिना किसी बाधा के इसको प्रक्षेपित किया गया और सतह पर लक्ष्य को निशाना बनाने से पहले इसने सभी निर्देशों का पालन किया।'

भारतीय वायु सेना दुनिया की पहली वायु सेना बन गई है जिसने 22 नवंबर, 2017 को इस श्रेणी की 2.8 टन मैक मिसाइल से सतह से समुद्री लक्ष्य पर सफलतापूर्वक निशाना साधा था। भारतीय वायुसेना ने कहा, 'आज दूसरी बार इस श्रेणी के हथियार का सजीव प्रक्षेपण हुआ। इस मिसाइल को विमान में लगाने की प्रक्रिया बहुत जटिल थी, इसके लिए विमान के अंदर मशीनी, विद्युतीय और सॉफ्टवेयर बदलाव करने पड़े।'

यह मिसाइल किसी भी मौसम और किसी भी समय यानी दिन और रात के समय हवा से समुद्र और सतह पर सटीक निशाना साधने में सक्षम है। इस मिसाइल को सतह, पनडुब्बी और युद्धपोत से भी दागा जा सकता है।

डाली अड़चन ▶ एनआइओएस के चेयरमैन ने लगाए आरोप

शिक्षकों के प्रशिक्षण में पश्चिम बंगाल ने नहीं किया सहयोग

कहा, प्रशिक्षण को असफल बनाने की हुई काफी कोशिशें

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत बनाने में जुटी सरकार ने स्कूलों में पढ़ा रहे अप्रशिक्षित शिक्षकों के प्रशिक्षण का एक बड़ा लक्ष्य हासिल किया है। देशभर के स्कूलों में पढ़ा रहे ऐसे 12 लाख से अधिक शिक्षकों को 18 महीनों के तय समय में प्रशिक्षित किया गया है। हालांकि, इस काम में उसे पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के असहयोगपूर्ण रवैये का भी सामना करना पड़ा, जहां परीक्षा में गड़बड़ी की कोशिशें की गईं और प्रश्नपत्र को सुनियोजित तरीके से तीन दिन पहले लीक कराया गया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय से जुड़े राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआइओएस) के अध्यक्ष प्रोफेसर सीबी शर्मा ने बुधवार को शिक्षकों के प्रशिक्षण परिणामों की घोषणा करते हुए यह आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम देशभर में चलाया गया था, लेकिन पश्चिम बंगाल ही एकमात्र ऐसा राज्य रहा, जहां उन्हें असहयोग का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि परीक्षा से तीन दिन पहले पेपर लीक करके एनआइओएस की साख को बिगाड़ने की कोशिश की गई। हालांकि, जैसे ही उन्हें इसकी सूचना मिली, उन्होंने पूरी परीक्षा को रद किया और नए सिरे से परीक्षा कराई। दूसरी बार, कुछ केंद्रों पर गड़बड़ी कराई गई, जिसके बाद फिर से कुछ केंद्रों पर परीक्षा रद करानी पड़ी। शिक्षकों के इस प्रशिक्षण में अकेले पश्चिम बंगाल से 1.57 लाख शिक्षकों ने हिस्सा लिया था। पश्चिम बंगाल के असहयोगपूर्ण रवैये का हालांकि यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी वह आयुष्मान भारत सहित कई केंद्रीय योजनाओं को लेकर ऐसा ही असहयोगपूर्ण रवैया दिखा चुकी है।

करीब दो लाख शिक्षकों का रिजल्ट रोका गया

एनआइओएस अध्यक्ष ने बताया कि इस दौरान करीब दो लाख शिक्षकों के रिजल्ट 12वीं में 50 फीसद से कम अंक होने के चलते रोके गए हैं। ऐसे सभी शिक्षकों को 12वीं के अंकों में सुधार का मौका दिया है। वे एनआइओएस के जरिये अंक सुधार के लिए नए सिरे से परीक्षा दे सकेंगे। 12वीं के अंकों में सुधार के बाद ही इनके रिजल्ट घोषित किए जाएंगे।

3.66 लाख स्कूलों के शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

एनआइओएस के मुताबिक, प्रशिक्षण में देशभर के 3.66 लाख से ज्यादा स्कूलों के शिक्षकों ने हिस्सा लिया। इनमें 1.78 लाख निजी स्कूल, 1.21 लाख सरकारी स्कूल और 67 हजार सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षक शामिल थे।

भागलपुर दंगे के 30 आरोपित बरी

जागरण संवाददाता, भागलपुर : 1989 में भागलपुर में हुए भीषण दंगे के हड़वा गांव कांड में बुधवार को अष्टम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एमपी सिंह की अदालत ने जिंदा बचे 30 आरोपितों को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

सरकार की ओर से पटना से आए विशेष अपर लोक अभियोजक अतिउल्लाह ने मामले में पांच लोगों की गवाही कराई थी। गवाहों ने न्यायालय में आरोपितों को पहचानने से इन्कार कर दिया। उनके नाम तक नहीं बता पाए। नतीजा न्यायालय ने पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में जिंदा बचे 30 आरोपितों को रिहा कर दिया। बचाव पक्ष से अधिवक्ता नवीन कुमार सिंह, मृत्युंजय भारी और दीप शिखा ने बहस में भाग लिया।

न्यायालय में आरोपितों को गवाहों ने पहचानने से किया इन्कार : मुहम्मद असलम, उर्फ इस्लाम, मुहम्मद नूरउद्दीन, मुहम्मद सहाम, मुहम्मद कमालउद्दीन और मुहम्मद महफूज ने आरोपितों को न्यायालय में पहचानने से इन्कार कर दिया, जबकि पुलिस के समक्ष नाम और चेहरा पहचानने का किया था दावा। कमालउद्दीन ने भी आरोपितों को नहीं पहचाना।

दो नवंबर 1989 की रात भीड़ ने अरशद को अगवा कर मार डाला था : दो नवंबर 1989 की रात दंगाई भीड़ ने जगदीशपुर थाना क्षेत्र के हड़वा गांव में रहने वाले मुहम्मद महफूज के लड़के मुहम्मद अरशद को अगवा कर उसे मार डाला। दंगाइयों ने उसके शव को भी गायब कर दिया था। फिर लूटपाट और आगजनी आदि को अंजाम दिया था। भागलपुर दंगे से संबंधित तब जगदीशपुर थाना कांड संख्या 177/89 की तफ्तीश कर रही पुलिस ने घटना को सत्य किंतु सूत्रहीन करार देते हुए न्यायालय में अंतिम प्रतिवेदन सौंप दिया था।

रांची के डोरंडा कॉलेज के पास कल्पतरु। इस दुर्लभ वृक्ष की जड़ों के पास तक कंक्रीट होने से नीचे पानी जाने में दिक्कत होगी। जागरण

मुरादें पूरी करने वाला कल्पतरु अपने लिए मांग रहा पनाह

संजय सुमन, रांची

- देश में पुराने कल्पतरू के कुल नौ पेड़ों में से तीन रांची में

रांची के हिनू डोरंडा सड़क पर दुर्लभ प्रजाति के 250 साल पुराने तीन कल्पतरु के पेड़ खड़े हैं। इनकी जड़ों तक को कंक्रीट से ढंक दिया गया है। जो कल्पतरु लोगों की हर मनोकामना पूरी करने के लिए जाने जाते हैं वे खुद बारिश के पानी में भी अपनी जड़ों को पानी नहीं पहुंचा पाएंगे। पूरे भारत में इतने पुराने कल्पतरु के कुल नौ पेड़ बचे हैं, जिनमें से तीन रांची में हैं। इसके ऊपर से केबल (तार) गुजरा है और आसपास से गुजरती तेज रफ्तार गाड़ियां इस बहुमूल्य पेड़ के अस्तित्व को खतरे में डाल रही हैं।

पर्यावरणविद नीतीश प्रियदर्शी ने बताया कि पूरे देश में कल्पतरु के नौ ही पेड़ बचे हैं। वैसे साउथ अफ्रीका में यह पेड़ बड़ी संख्या में पाया जाता है। भारत में जो नौ पेड़ बचे हैं उनमें उत्तर प्रदेश और हिमाचल में 6 पेड़ शामिल हैं। पौराणिक कथाओं में इसका जिक्र है और इसका औषधीय महत्व भी है। दस साल पहले इस पेड़ की शाखाएं सड़क के दोनों ओर फैली थीं। लेकिन लोग लकड़ी काट दे रहे हैं, इसलिए पेड़ का विस्तार भी थम गया है। डिस्ट्रिक्ट फॉरेस्ट ऑफिसर सबा अंसारी ने बताया कि इस पेड़ को बचाने के लिए विभाग की तरफ से इंतजाम किए गए हैं। इसके चारों ओर फेंसिंग की गई है और कीलें पहले ही हटा दी गई हैं। अगर इसकी जड़ों के उपर कंक्रीट पहुंच गया है तो उसे भी हटा दिया जाएगा।

जश्न की तैयारी...

लोकसभा चुनावों के एक्जिट पोल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिर से सत्तासीन होने की संभावनाओं के बाद से भाजपा में जश्न का माहौल है। चुनावों की मतगणना के मद्देनजर भाजपा कार्यालयों में खास तैयारियां की जा रही हैं। मतगणना की पूर्व संध्या पर बुधवार को पटना स्थित बिहार भाजपा कार्यालय में रंग-रोगन करते श्रमिक। प्रेट्र

आइएलएंडएफएस मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने मुंबई में की छापेमारी

नई दिल्ली, प्रेट्र : ईडी ने करोड़ों रुपये के आइएलएंडएफएस ऋण भुगतान संकट से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में बुधवार को मुंबई के बांद्रा, खार, नरीमन प्वाइंट और गोरेगांव इलाके में छापे मारे। कंपनी के कम से कम चार निदेशकों के दफ्तरों और घरों की तलाशी के दौरान कुछ जरूरी दस्तावेज भी जब्त किए गए।

यह तलाशी अभी तक मिले सुबूतों के अतिरिक्त अन्य साक्ष्य और दस्तावेज जुटाने के लिए की गई है। इससे पहले जांच एजेंसी ने इस मामले में फरवरी में छापेमारी की थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस प्रकरण में मनी लांड्रिंग निरोधक अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज होने के बाद यह कदम उठाया था।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए कर्ज देने वाली कंपनी का संकट उस समय सामने आया जब उसके समूह की कंपनियों ने सितंबर 2018 से कर्ज का भुगतान करना बंद कर दिया। आइएलएंडएफएस पर कुल 91,000 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज बकाया है।

- कंपनी के कम से कम चार निदेशकों के कार्यालय और घरों की ली गई तलाशी
- अभी तक मिले सुबूतों के अलावा अन्य साक्ष्य जुटाने के लिए की तलाशी

आइएलएंडएफएस और उसकी सहयोगी कंपनियों ने सिडबी को कर्ज का भुगतान नहीं किया है। ईडी का यह मामला दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा पिछले साल दिसंबर में दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है।

सबसे पहले इनसो इंफ्रास्ट्रक्चर के निदेशक ने दर्ज कराया था मामला

इनसो इंफ्रास्ट्रक्चर के निदेशक आशीष बेगवानी ने आइएलएंडएफएस रेल लिमिटेड के अधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए उनकी कंपनी को 70 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज कराया था। बेगवानी का कहना था कि आइएलएंडएफएस ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क्स लिमिडेट के दो अधिकारियों के कहने पर उन्होंने आइएलएंडएफएस रेल लिमिटेड में 170 करोड़ रुपये लगाए थे। यह कंपनी गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के लिए स्पेशल पर्पज व्हीकल है। ईओडब्ल्यू के एक अधिकारी ने बेगवानी की शिकायत का हवाला देते हुए कहा था कि बाद में शिकायतकर्ता को पता चला कि आइएलएंडएफएस रेल मुनाफा नहीं कमा रही और उसकी पूंजी का दुरुपयोग किया जा रहा है।

बुलंद हौसले

हरियाणा के बनावाली की लाडली मनीषा ने 8848 मीटर ऊंची चोटी पर प्रधानमंत्री की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ मुहिम के साथ तिरंगा फहराया

चुनाव परिणाम से पहले पीएम मोदी को एवरेस्ट से सलामी

जागरण संवाददाता, फतेहाबाद

चुनाव परिणाम से पूर्व पिछले दो दिनों में हरियाणा की दो बेटियों ने माउंट एवरेस्ट फतह कर कठिनाइयों से पार पाने का संदेश दिया है। हिसार की अनीता कुंडू 21 मई को तीसरी बार तिरंगा लहरा आईं, तो फतेहाबाद जिले के गांव बनावाली की लाडली मनीषा ने अगले ही दिन एवरेस्ट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सलामी दी। मनीषा ने 8848 मीटर की ऊंचाई से तिरंगे के साथ प्रधानमंत्री की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ मुहिम का झंडा भी बुलंद किया। 24 साल की इस बेटी ने एक बार फिर अपनी उपलब्धि राष्ट्र और खासकर मोदी के नाम समर्पित की है। बताते हैं कि मनीषा बेस कैंप तक अनीता कुंडू के साथ थीं।

एवरेस्ट विजेता मनीषा

दुनिया की सात ऊंची चोटियों में शुमार दक्षिण अफ्रीका की किलिमंजारो फतह कर चुकीं मनीषा के पिता व हिसार एसटीएफ में सब-इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह बताते हैं कि चढ़ाई के दौरान उसे आंधी-तूफान व अन्य झंझावातों का सामना करना पड़ा। बीमार भी पड़ गई। 26 जनवरी को किलिमंजारो पर तिरंगा लहराने के बाद वह बुलंद हौसले के साथ एवरेस्ट फतह करने गई थी, इसलिए तमाम परेशानियों को झेल गई। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की मुहिम को नई ऊंचाई देकर देश को एक नया संदेश देना था। सो, हौसले की जीत हुई।

मोदी की मुहिम से अभिभूत हैं मनीषा : तकरीबन साढ़े चार साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पानीपत की धरती से हरियाणा व पूरे देश में बेटी बचाने और उसे पढ़ाने की मुहिम का शंखनाद किया था। प्रधानमंत्री की यह मुहिम मनीषा के दिलोदिमाग पर छा गई। पर्वतारोहण को समर्पित मनीषा ने अपनी हर साहसिक एवं रोमांचक यात्रा का इसे हमसफर बना लिया। किलिमंजारो को गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर बेटी बचाने के संदेश के साथ पहली बार किसी बेटी का तिरंगा लहराना उसी का हिस्सा था।

...और मां की ममता ने कहा, इतनी दूर...: इतना आसान भी नहीं था मनीषा का पर्वतारोहण के जरिये अपनी संवेदना आगे बढ़ाना। जब उसने घर में पर्वतारोहण कोर्स की बात की तो मां दर्शना ने टोका। यह कहते हुए कि यह क्या चीज है करने की? इतनी दूर कैसे जाएगी अकेली? मां ने कहा-लड़कियों वाले ग्रुप में ही जा। मगर पिता महेंद्र सिंह ने हर कदम यह कहते हुए बेटी का हौसला बढ़ाया कि जो करना है कर ...।

पिता महेंद्र सिंह ने कहा-नाज है मुझे अपनी लाडो पर: महेंद्र सिंह कहते हैं कि उन्हें अपनी बेटी मनीषा पर नाज है। मोदी जी की मुहिम से बेहद प्रभावित रही है। उसके साथ एक नेक मंशा है। समाज में बेटियों को कमतर समझने वालों के लिए वह भी मार्गदर्शक होगी।

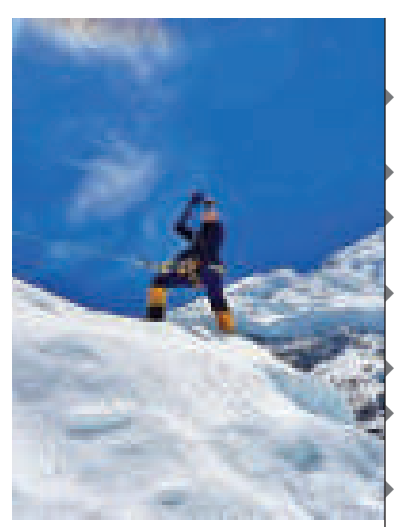

मनीषा की माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई के दौरान भेजी गई तस्वीर।

मनीषा का सफर

- बीटेक : बायो-मेडिकल, गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार
- एमबीए : द्वितीय वर्ष जीजेयू संप्रति
- पर्वतारोहण बेसिक : हिमालया माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट दार्जिलिंग- मई-जून 2018
- 16,600 फीट ऊंची रेनॉक चोटी फतह : ए ग्रेड से उत्तीर्ण
- एडवांस कोर्स : अक्टूबर-नवंबर, 2018
- 1800 फीट ऊंचा बीसी रॉय शिखर फतह। ए ग्रेड के साथ
- 26 जनवरी, 2019 को दक्षिण अफ्रीका की किलिमंजारो चोटी फतह
- 22 मई, 2019 को माउंट एवरेस्ट फतह

पद्मश्री से सम्मानित गोभक्त सुदेवी को नहीं मिला वीजा विस्तार

जागरण संवाददाता, मथुरा : जन्म भले ही जर्मनी में लिया, लेकिन गोवर्धन में आकर असहाय और अनाथ गोवंश की सेवा के लिए जिंदगी समर्पित कर दी। करीब 35 वर्षों से गोवंश की सेवा में जुटीं सुदेवी को भारत सरकार ने इस वर्ष पद्मश्री से सम्मानित भी किया, लेकिन जब गोवंश की सेवा के लिए ब्रज में रहने की अवधि 25 जून से आगे बढ़ाने का अनुरोध किया गया तो सिस्टम ने वीजा अवधि विस्तार से ही इन्कार कर दिया।

भारतीय संस्कृति में डूब चुकीं जर्मन की फ्रेडरिक इरिन ब्रूनिंग और अब सुदेवी सरकारी व्यवस्था का ये बर्ताव देख क्षुब्ध हो गईं। ऑनलाइन जवाब में लिखे 'रिजेक्ट' शब्द पढ़कर वह व्यथित हैं। वीजा विस्तार का आवेदन क्यों अस्वीकार हुआ, इसका ब्योरा नहीं दिया गया है। वह तब से गोवर्धन में 'राधा सुरभि' गोशाला का संचालन कर रही हैं। सुदेवी के वीजा की अवधि 25 जून को खत्म हो रही है।